कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

जागृति

वर्ष:63 अंक:8 मुम्बई जुलाई 2019

एमएसएमई मंत्री द्वारा कुतुबगढ़ में आयोग के स्वच्छता एवं जल संरक्षण अभियान चलाए रखने की अपील

आयोग मुख्यालय में योग दिवस

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 63 अंक-9 मुंबई जुलाई 2019

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: editorialkvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार .... 3 से 23

एमएसएमई मंत्री द्वारा कुतुबगढ़ के ग्रामीणों से जल संचय करने एवं वायु की गुणवत्ता को बनाए रखने की अपील ....

लद्दाख क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए आयोग द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर..

साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में उद्यमिता विकास कार्यक्रम...........

योग किट के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग को 2.50 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला..

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोग के अधिकारियों द्वारा योगाभ्यास .....

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ....

विगत पांच वर्षों में उत्पादन में खादी का शेयर हुआ दोगुना: 4.23% से 8.49% पहुंचा 65.42 मिलियन वर्ग मीटर का उत्पादन कर, 62 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की...

आयोग में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया................................

टैसल फैशन एंड लाइफस्टाइल अवाड्र्स 2019 में खादी लहर.........

आयोग ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस मनाया..................

अहमदाबाद में पीएमईजीपी पर राज्य स्तरीय मानिटरिंग समिति की बैठक ....

प्राथमिकता के आधार पर 100 दिनों की कार्य योजना के लक्ष्यों का कार्यान्वयन...

प्रेस कवरेज ....24 से 29

एमएसएमई मंत्री द्वारा कुतुबगढ़ के ग्रामीणों से जल संचय करने एवं वायु की गुणवत्ता को बनाए रखने की अपील

कुतुबगढ़ (नई दिल्ली): केंद्रीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, नितिन गडकरी ने 26 जून, 2019 को कहा कि अब समय आ गया है अब लोग अवशिष्ट को सही तरीके से संरक्षित करके इसे धन में परिवर्तित कर सकते हैं।

दिल्ली के बाहरी इलाके में स्थित ग्रामीण,जो विकास के मुख्य धारा से कटे हुए हैं ऐसे ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी तब झलक रही थी, जब सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ने यहां खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के स्वच्छता और जल संरक्षण अभियान का शुभारम्भ किया, उन्होंने गरीबी उन्मूलन के संबंध में कहा कि जब तक हम गांवों को आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक रूप से सशक्त नहीं बना लेते तब तक भुखमरी और बेरोजगारी एक मृगतृष्णा के रूप में बनी रहेगी।

उचित जल प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा “हमारे देश में पानी की कमी

खेतों में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं करें। उन्होंने कहा कि "यह खेती और मधुमक्खी पालन दोनों के लिए लाभदायक होगा।"

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री प्रताप चंद्र सारंगी ने भी हाल ही में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा उठाए गए नवीनतम प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, "हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी, आत्म-अनुशासन और आत्मनिर्भरता के गांधीवादी दर्शन के अंतःकरण के सच्चे पुरोधा हैं, पिछली सरकारों के तरह नहीं जिन्होंने राजनैतिक सत्ता का लाभ लेने के लिए गांधी का उपयोग एक शस्त्र के रूप में किया। उन्होंने कहा, इसका प्रमाण है कि खादी ने विगत पाँच वर्षों में जो कुछ किया है, वह मोदी जी से पूर्व 60 वर्षों में की गई उपलब्धि से कहीं अधिक है।"

इससे पूर्व, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने गणमान्य लोगों का स्वागत किया और उन्हें विभिन्न खादी गतिविधियों के

नहीं है, लेकिन हम पानी के प्रबंधन करने में पीछे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'मैं सबसे कहता हूँ कि पानी का नियोजन करना सीखिये। तीव्र गति से बहने वाले पानी को चलाइए, चलने वाले पानी को रोकिए और रुके हुए पानी को जमीन के अंदर जाने दीजिये।

ग्रामीणों से कृषि पैदावार को बिजली और प्लास्टिक क्षेत्र से जोड़ने की अपील करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि बिजली उत्पादन करने वाली कंपनियों को शौचालय के अपशिष्ट जल को बेचकर, महाराष्ट्र सरकार ने अब तक २ करोड़ रुपये से अधिक का अर्जन किया है। उन्होंने बताया कि "पांच टन पराल (फसल के अवशेष) जलाकर एक टन वायो-सीएनजी का उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द विदर्भ क्षेत्र के पांच जिले डीजल से मुक्त हो जाएंगे।"

'हनी मिशन' कार्यक्रम पर केवीआईसी के प्रयासों की सराहना करते हुए, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ने ग्रामीणों से भी अपील की है कि वे अपने

बारे में अवगत कराया, जिसमें हनी मिशन, कुम्हार सशक्तिकरण मिशन और कुतुबगढ़ में गाँव के तालाबों का गहरीकरण शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि चालू वित्त वर्ष में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सभी राज्य कार्यालयों को अपने-अपने क्षेत्रों में एक गाँव को अपनाने के लिए कहा गया था, जहाँ स्वच्छता और जल संरक्षण अभियान से गांवों को एक मॉडल गांव के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपने जहाँ स्वच्छता और जल संरक्षण अभियान के तहत कुतुबगढ़ को गोद लिया है और इस गांव की स्वच्छता को बनाए रखने के अलावा, केवीआईसी के अधिकारी वहां तालाबों को गहरा करने के कार्य की प्रगति पर भी ध्यान देंगे। विगत वर्ष में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पूर्वी दिल्ली के जगतपुर गांव को गोद लिया, अभी भी वहाँ स्वच्छता अभियान जारी है।

इस अवसर पर नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी, श्री सुरेश कश्यप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव डा. अरुण कुमार पांडा भी उपस्थित थे।

✱ ✱ ✱

लद्दाख क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए आयोग द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर

संपूर्ण विकसित लद्दाख के माननीय प्रधान मंत्री के स्वप्न को पूरा करने के लिए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा करके यहां अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इस संबंध में LAHDC सचिवालय, लेह में उपाध्यक्ष श्री ग्याल पी. वांग्याल की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई।

डिजाइनरों और खादी ग्रामोद्योगी इकाइयों के साथ केवीआईसी परिधान खरीद समिति की बैठक। सिस्टम में यह बदलाव ग्राहक के बीच बेहतर संतुष्टि और प्रदर्शन में सुधार सुनिश्चित करेगा।

राज्य कार्यालय, भोपाल में दिनांक 17 जून, 2019 को खादी संस्था अध्यक्ष/सचिव के साथ बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता राज्य निदेशक, भोपाल द्वारा की गई ।.

साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में उद्यमिता विकास कार्यक्रम

गुजरात के अपने प्रवास पर आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 14 जून, 2019 को साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में राज्य उद्यमिता कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षुओं को महिलाओं की अधिक से अधिक इकाइयाँ स्थापित करने की सलाह दी।

विभिन्न प्रकार के उत्पादों के लिए प्रशिक्षण हेतु आए लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से आप अपना खुद का रोजगार लगाएंगे और अपनी इकाइयों में अधिक लोगों को रोजगार भी प्रदान करेंगे। आपकी परियोजना का विस्तार करने के लिए, आयोग ने इस योजना के तहत एक करोड़ रुपये तक की एक विस्तार परियोजना को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

इस साल फिर खादी के साथ योग

योग किट के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग को 2.50 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली: यह प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विज़न खादी के साथ-साथ योग के बारे में भी है! जी हां, भारत का विशेष विरासत वस्त्र खादी, इस वर्ष विश्व स्तर पर योग के साथ फिर से कदमताल करने के लिए तैयार है! 'आयुष मंत्रालय' ने 60,000 योगा मैट खरीदे हैं, नई दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) और खादी संस्थाओं ने 21 जून, 2019 अर्थात 5 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दोनों विरासत को बढ़ावा देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग से क्रमशः 2,000 और 400 खादी योग किट खरीदने का फैसला किया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने यह जानकारी देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, देश के कोने कोने से योग किट के ऑर्डर मिलने शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा, “केवीआईसी को लगभग 2,400 योग किटों के अलावा 60,000 योगा मैट की आपूर्ति के लिए लगभग 2.50 करोड़ रुपये का ऑर्डर प्राप्त हुआ है।

खरीद ऑर्डर की आपूर्ति को पूरा करने के लिए, इस वर्ष 27 मई को एक बैठक बुलाई है, जिसमें खादी संस्थाओं को अपने उत्पादन में तेजी लाने के लिए कहा गया था। आयुष मंत्रालय के ऑर्डर हेतु- जो देश में योग दिवस के संचालन के लिए नोडल एजेंसी है, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा की 17 खादी संस्थाओं को योग मैट की आपूर्ति करने के लिए ज़िम्मेदारी दी गई थी और उन्होंने निर्धारित अवधि के भीतर इस कार्य को पूरा कर लिया है। उन्होंने आगे बताया कि 'इस ऑर्डर से अतिरिक्त रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ खादी क्षेत्र में अतिरिक्त मानव-श्रम घंटों का भी सृजन होगा। किट में पुरुषों और महिलाओं के लिए योग वस्त्र, खादी नैपकिन, योग चटाई और बैग सहित नौ सामग्रियाँ शामिल हैं। नगरोटा के पास रहने वाले जम्मू और कश्मीर के उग्रवाद प्रभावित परिवारों की महिलाओं द्वारा नैपकिन की सिलाई गई है। किट में एक विशिष्ट तिरंगा खादी माला (सूतमाला) भी शामिल की गयी है।”

यह बता दें कि 2016 में पहली बार केवीआईसी ने आयुष मंत्रालय की सलाह पर राष्ट्रीय संस्थान डिजाइन (एनआईडी) द्वारा खादी के योग किट बनाए थे और 10 दिनों के भीतर इसे 82 लाख रुपये के खरीद ऑर्डर प्राप्त हुए थे। जबकि 2017 में केवीआईसी ने 2.50 करोड़ रुपये से अधिक तथा 2018 में 3.00 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर प्राप्त किया।चूंकि हमारी खादी किट ने हर जगह से वाह वाही हासिल की, इसलिए कई अन्य मंत्रालयों और संगठनों के साथ आपूर्ति ऑर्डर को अंतिम रूप दिया जाना है। मुझे यकीन है कि योग और खादी का संयोजन पूरी दुनिया को हिला देगा, क्योंकि ये दोनों हमारे प्रधानमंत्री के विज़न के प्रमुख तत्व हैं। सक्सेना ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस साल आक्रमक विपणन के साथ इसे कम से कम 5 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है।

जैसा कि आम लोग भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए योग किट खरीदने में रुचि रखते हैं, केवीआईसी ने ये किट 'खादी इंडिया' के सभी बिक्री केंद्र में भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराए हैं।

Yoga for harmony & Peace

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोग के अधिकारियों द्वारा योगाभ्यास

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई, 21 जून 2019:अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा के साथ आयोग के कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा केंद्रीय कार्यालय परिसर में योगाभ्यास किया गया।

योगाभ्यास योगाचार्य के मार्गदर्शन में किया गया, जिन्होंने सांस लेने की सही प्रक्रिया और विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया जो एकाग्रता में सुधार करने और स्वास्थ्य लाभ देने में मदद करते हैं। कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा योग, मुद्रा और प्राणायाम के विभिन्न आसन, वार्म-अप के सूक्ष्म अभ्यास के साथ शुरू किए गए।

इस अवसर पर, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के. बारामतीकर, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित।

योग दिवस पर आयोजित योग शिविर में आयोग के सं. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अलावा बडी संख्या में अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भोपाल

केन्द्रीय पूनी संयंत्र, सीहोर

केन्द्रीय पूनी संयंत्र, कुत्तुर

राज्य कार्यालय, अहमदाबाद

राज्य कार्यालय, जयपुर

विभागीय कार्यालय, विशाखापटनम

विभागीय कार्यालय, गोरखपुर

विभागीय कार्यालय, मदुरै

राज्य कार्यालय, रायपुर

विभागीय कार्यालय, मेरठ

राज्य कार्यालय, मुंबई

विगत पांच वर्षों में उत्पादन में खादी का शेयर हुआ दोगुना: 4.23% से 8.49% पहुंचा

65.42 मिलियन वर्ग मीटर का उत्पादन कर, 62 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली: नवीनीकरण ने फिर कर दिया चमत्कार! भारत के महत्वपूर्ण वस्त्र खादी ने विगत पांच वर्षों में खादी वस्त्र के उत्पादन में 62 प्रतिशत की औसतन छलांग लगाई है, अर्थात वर्ष 2014-15 में 103.22 मिलियन वर्ग मीटर से वर्ष 2018-19 में 170.80 मिलियन वर्ग मीटर और 65.42 मिलियन वर्ग मीटर की यह वृद्धि तब से हुई है जब से खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने नई खादी संस्थाओं के पंजीकरण को प्रोत्साहित किया और 2015 में 32,000 नए मॉडल चरखा और 5,600 आधुनिक करघों के वितरण जैसे कारीगर केंद्रित कार्यक्रमों पर जोर दिया। इस अवधि के दौरान खादी ने 376 नए खादी संस्थाओं को शामिल किया है और 40,000 से अधिक नए खादी कारीगरों को जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2014 -15 से 2018-19 तक मिल वस्त्र उत्पादन के तुलना में खादी वस्त्र के उत्पादन में औसतन 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है|

वित्तीय वर्ष 2014-15 में मिल क्षेत्र के वस्त्र का उत्पादन 2,486 मिलियन वर्ग मीटर था तथा खादी वस्त्र का उत्पादन 105.38 मिलियन वर्ग मीटर था, जो कि कुल वस्त्र उत्पादन का 4.23 प्रतिशत शेयर था। लेकिन, वित्तीय वर्ष 2018-19 में मिल क्षेत्र के वस्त्र का उत्पादन 2,012 मिलियन वर्ग मीटर हो गया, खादी क्षेत्र के वस्त्र का उत्पादन 170.80 मिलियन वर्ग मीटर हो गया, जो देश में कुल वस्त्र उत्पादन का 8.49 प्रतिशत शेयर है। संयोग से इस अवधि के दौरान मिल वस्त्र उत्पादन में 19.06 प्रतिशत की गिरावट आई है, अर्थात वर्ष 2014-15 में 2486 मिलियन वर्ग मीटर से लेकर वर्ष 2018-19 में 2012 मिलियन वर्ग मीटर तक की।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना का कहना है कि खादी क्षेत्र में वस्त्र उत्पादन में 4.23 प्रतिशत से 8.49 प्रतिशत (जो कि खादी के शेयर में पांच साल पहले की तुलना में दोगुने से अधिक है) तक वृद्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'खादी को अपनाने' हेतु बार-बार की गई अपील के कारण संभव हो सकी। “यह हमारे लिए उत्साहजनक बात है कि विगत पांच वर्षों में वस्त्र क्षेत्र में खादी उत्पादन का शेयर 4.23 प्रतिशत से 8.49 प्रतिशत हो गया है, जो कि 200 प्रतिशत से अधिक है। आगे उन्होंने बताया कि जबकि 1956 से 2013-14 तक खादी क्षेत्र के वस्त्र उत्पादन 105.38 मिलियन वर्ग मीटर के आंकड़े तक पहुंचा है, विगत पांच वर्षों में (2014-15 से 2018-19 तक) इसने 65.42 वर्ग मिलियन मीटर का उत्पादन किया है।”

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि हाल के वर्षों में एमएसएमई मंत्रालय और केवीआईसी के नई नीतियों और पहल के कारण खादी क्षेत्र में कारीगरों की संख्या में वृद्धि हो रही है। श्री सक्सेना ने बताया कि "हमने खादी संस्थाओं को पुनर्जीवित करने के लिए रोजगार की गुंजाइश बढ़ाने के लिए नए खादी संस्थाओं का पंजीकरण शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप कारीगरों की संख्या 4,94,684 हो गई। आगे जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यही नहीं केवीआईसी ने भी वर्ष 2015 के पश्चात कई कारीगर केंद्रित कार्यक्रमों पर जोर दिया गया, जैसे कि 32,000 नए मॉडल चरखे और 5,600 आधुनिक करघों का वितरण किया गया।

आयोग में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया

मुंबई, 16 जून, 2019: आयोग मुख्यालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने स्वच्छता पखवाड़ा मनाया, जहां सभी ने स्वच्छता का संकल्प लिया।

स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा और वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश द्वारा दिलायी गयी प्रतिज्ञा के साथ हुआ। कर्मचारियों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने सभी से अपने कार्य स्थान को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखने का आग्रह किया, जो समाज और राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य भी है।

इस अवसर पर मुख्यालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान में भाग लिया। आयोग के सभी राज्य/ मंडलीय कार्यालयों ने भी बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। आयोग के सभी कार्यालयों में स्वच्छता पखवाड़ा 16 जून से 30 जून, 2019 तक मनाया गया।

कश्मीर क्षेत्र की विश्व प्रसिद्ध डल झील को स्वच्छ करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कश्मीर के राज्य कार्यालय और उप कार्यालय ने स्वच्छ अभियान का आयोजन किया। यह अभियान श्रीनगर नगर निगम के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान में आयोग के उप कार्यालय के कर्मचारियों के अलावा, विभिन्न खादी संस्थानों के सचिव, स्थानीय एनजीओ और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। शुरुआत में डल झील के घाट नंबर 6 से आयोग के राज्य निदेशक श्री डी. एस. भाटी ने अभियान शुरू किया। सभी प्रतिभागी घाट नंबर 6 पर नावों पर चढ़े और डल झील से कचरा और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को साफ किया। डल लेक के मिर मोहल्ले में भी स्वच्छ अभियान चलाया गया।

राज्य कार्यालय, देहरादून द्वारा 25 जून, 2019 को माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा की गई स्वच्छ भारत अभियान अपील के तहत ग्राम पंचायत जामनखाता, विकास खंड विकास नगर, जिला देहरादून में वर्षा जल संचयीकरण हेतु ग्रामीण तालाब/पोखर की सफाई की गई। उक्त सफाई अभियान 25 जून, 2019 से 27 जून, 2019 तक निरंतर चलाया गया, जिसमें जे.सी.बी.का उपयोग भी क़िया गया। इस सफाई अभियान कार्यक्रम में श्री कुंजबिहारी, राज्य निदेशक, श्री बी.एस.कंडारी, सह निदेशक, श्री राकेश कुमार, सह निदेशक-II, नागेन्द्र कुमार, सह निदेशक-II व अन्य अधिकारी/ कर्मचारियों के अलावा श्रीमती रीना देवी, ग्राम प्रधान व ग्राम के अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

ग्राम निर्माण समाज, महुवा खादी संस्था के समन्वय से केवीआईसी द्वारा भावनगर जिले में भजवानी बीच, महुवा पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत अभियान के तहत अगरतला में आयोजित एक कार्यक्रम

अगरतला में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम

भोपाल में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम

विशाखापटनम में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

अंबाला में स्वच्छता कार्यक्रम

बीकानेर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

त्रिवेन्द्रम में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम, देहरादून में

मदुरै में स्वच्छता कार्यक्रम

विभागीय कार्यालय, विज़ाग में स्वच्छता कार्यक्रम

खादी भवन, एर्णाकुलम में स्वच्छता कार्यक्रम

कश्मीर में स्वच्छता कार्यक्रम

शिमला में बच्चों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम

रांची में निबंध प्रतियोगिता

जयपुर में स्वच्छता पखवाड़ा

शिमला में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

मेरठ में स्वच्छता अभियान

पिथौरिया, रांची में स्वच्छता कार्यक्रम

अंबाला में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने दो राज्यों में दो चरणों में नर्मारकंडी, उधम सिंह नगर जिले में और लखनऊ, गदरपुर में कुंभार सशक्तीकरण मिशन के तहत 40 प्रशिक्षित ग्रामीणों को दो इलेक्ट्रिक पहिए वितरित किए।.

टैसल फैशन एंड लाइफस्टाइल अवार्ड्स 2019 में खादी लहर

खादी की बहुमुखी प्रतिभा और स्थिरता इसे फैशन की दुनिया में एक विशेष फैब्रिक बनाती है खादी न केवल आपको अच्छा महसूस कराती है, बल्कि पर्यावरण में योगदान देकर अच्छा करती है और कारीगर दस्तकारी खादी फैशन उद्योग को बदल रही

प्रधान मंत्री द्वारा किए गए आवाहन 'खादी फॉर नेशन' खादी फॉर फैशन 'और' खादी फॉर इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन' को आगे बढ़ाते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने सह-प्रायोजक के रूप में 'टैसल फैशन एवं लाइफस्टाइल अवार्ड्स 2019'- एक प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में भाग लिया, जो अपनी उपलब्धियों और योगदानों के लिए उद्योग के दिग्गजों को सम्मानित करने के लिए समर्पित है और फैशन उद्योग में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करता है।

विगत पांच वर्षों में खादी के प्रति लोगों विशेषकर युवाओं में दीवानगी बढ़ी है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने टस्सेल फैशन एण्ड लाईफस्टाल एवार्ड-2019 में इशान एजुकेशन द्वारा 'द ललित', सहार एयरपोर्ट रोड,अंधेरी, मुंबई में आयोजित खादी फैशन शो में भाग लिया।

खादी अपनी परिधान शैली के तौर पर युवाओं की पसंद को ध्यान मे रखते हुए खादी डिजाइनों पर ध्यान दे रही है। वे दृढ़ता से कहते हैं कि युवाओं को इसे अपने दैनिक पोषाक के रूप में शामिल करना चाहिए।

"खादी इतनी बहुमुखी है कि वर्तमान में युवा अपने दिन प्रतिदिन के जीवन में टॉप, शर्ट और कपड़े के तौर पर पहन सकते हैं। इसके अलावा, जो इसे दैनिक पहनने के रूप में परिपूर्ण बनाता है वह यह है कि इसे सभी मौसमों में पहना जा सकता है-यह आपको शुष्क मौसम में गरमाहट और ग्रीष्म मौसम में शीतलता प्रदान करता है।

भारतीय फैशन डिजाइनर आज खादी की क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा का एहसास कर रहे हैं। वे सरकार के साथ मिलकर खादी को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं, और जीवन शैली द्वारा फैशन के नए युग के प्रतीक के रूप में खादी को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं।

भारतीय फैशन डिजाइनर आज संभावित और बहुमुखी प्रतिभा को साकार कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में, इशान फाउंडेशन के फैशन के छात्रों ने खादी कपड़ों में लगभग 20 तरह के पहनावों का प्रदर्शन किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने इस अवसर पर हाथ से कते, हाथ से बुने हुए अपने परम्पारिक खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का एक स्टाल भी प्रदर्शित किया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग को पहाड़ी एवं सीमावर्ती दुर्गम क्षेत्रों सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों पारंपरिक कारीगरों और उद्यमियों को स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान करने का नेक काम सौंपा गया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही फैशन डिजाइनरों के साथ मिल कर देश में ख्याति प्राप्त फैशन कार्यक्रमों में फैशन शो के आयोजन में समन्वय कर रहा है।

राज्य कार्यालय, जयपुर में 26 जून, 2019 को खादी और ग्रामोद्योगी कार्यक्रमों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 50से भी अधिक असरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों और जयपुर जिले के एफ एम चैनल के संचालकों ने भाग लिया। राज्य निदेशक श्री बद्री लाल मीना द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। श्री डी के चावला सहायक निदेशक ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विभिन्न कार्यक्रमों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया।

पीएमईजीपी के तहत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन 3 जुलाई, 2019 को आयोग के पीएमटी, पंपोर द्वारा जम्मू और कश्मीर के लद्दाख डिवीजन में कारगिल के कॉन्फ्रेंस हॉल, बारो किया गया । शिविर के दौरान कमिश्नर कारगिल माननीय डा. बशीर उल हक चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति थे। जागरूकता शिविर के दौरान अन्य क्लस्टर प्रमुख, जेके बैंक, एलडीएम कारगिल, महाप्रबंधक, डीआईसी, कारगिल, केवीआईसी, केवीआईबी, एससी / एसटी के प्रतिनिधि और सैकड़ों लाभार्थी उपस्थित थे।

आयोग के राज्य मधुमक्खी विस्तार केन्द्र, आंध्र प्रदेश ने 24 जून, 2019 को रॉयल जेली बनाने हेतु प्रशिक्षण शुरू किया। सीबीआरटीआई, पुणे के डॉ.लक्ष्मण राव की अध्यक्षता में 5 दिनों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह रॉयल जेली के संग्रह के लिए एक अनूठा प्रशिक्षण था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 27 मधुमक्खी पालनकर्ताओं ने भाग लिया।

राज्य कार्यालय, देहरादून में 25 जून, 2019 को राजभाषा के विकास एवम तकनीकी ज्ञान हेतु हिन्दी कार्यशाला के अवसर पर डॉ. जयंती प्रसाद नौटियाल व्याख्यान देते हुए तथा कार्यशाला में अन्य उपस्थित अधिकारी/कर्मचारी गण।

एमएसएमई दिवस 2019

आयोग ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस मनाया

मुंबई, 27 जून, 2019: खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने आज यहां खादी और ग्रामोद्योग आयोग के केंद्रीय कार्यालय में एमएसएमई दिवस 2019 मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने की, जिन्होंने खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के पीएमईजीपी उद्यमियों और मुंबई के विभिन्न तकनीकी कॉलेजों के छात्रों के साथ इस अवसर पर बातचीत की।

कार्यक्रम में अतिथि वक्ता, उपनिदेशक, एमएसएमई सुश्री भाग्यश्री साठे, ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार से योजना का लाभ उठाने के लिए और इस प्रक्रिया में मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया का अभिन्न हिस्सा बनने के लिए एक लघु व्यवसाय एमएसएमई और उद्योग पंजीकरण सहायक सिद्ध हो सकता है। उन्होने कहा कि एमएसएमई सेक्टर ने इस अभियान से निवेशों को और बढ़ावा दिया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के. बारामतिकर ने एमएसएमई दिवस 2019 पर विस्तृत जानकारी साझा की। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने वास्तविक उद्यम स्थापित करने के लिए आवश्यक प्रामाणिक जानकारी भी साझा की।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यम - जो जीडीपी एवं व्यवसायों में 30% से अधिक की वृद्धि और दुनिया भर में लगभग 70 % नौकरियों के लिए सकारात्मक भूमिका के साथ साथ आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने,महिलाओं, युवा उद्यमियों जैसे और गरीब समुदाय कमजोर समूहों के लिए रोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अहमदाबाद में पीएमईजीपी पर राज्य स्तरीय मानिटरिंग समिति की बैठक

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर राज्य स्तरीय निगरानी समिति की बैठक 4 जून, 2019 को गांधी नगर में आयोजित की गयी।

बैठक में बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता श्री संदीप कुमार, आईएएस, आयुक्त, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, गुजरात सरकार, गांधीनगर ने की। आयोग के राज्य निदेशक, अहमदाबाद श्री संजय हेडाऊ ने श्री संदीप कुमार का स्वागत किया। इस अवसर पर लगभग 45 विभिन्न बैंकों के पदाधिकारी, गुजरात राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिकारी, कुटीर और ग्रामीण उद्योग के अधिकारी और गुजरात राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा को पिछले वर्ष में पीएमईजीपी के योगदान के लिए प्रथम पुरस्कार, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को दूसरा पुरस्कार और इंडियन बैंक को तीसरा पुरस्कार स्वरुप स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। आयोग के सहायक निदेशक श्री विजेन्द्र सिंह ने पिछले वर्ष में बैंकों द्वारा किए गए कार्यों का विवरण दिया, जिसमें वर्ष 2019-20 के लक्ष्यों के बारे में भी सभी को अवगत कराया गया। सहायक निदेशक श्री डी.सी. सिंहल ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

पोरबंदर में आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद ने पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

आयोग के विभागीय कार्यालय, बीकानेर ने पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

आयोग के विभागीय कार्यालय, विशाखापत्तनम द्वारा पीएमईजीपी पर आयोजित कार्यक्रम में विजयनगरम में 70 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रमुख जिला प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र के महा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक के ऋण प्रबंधक, राज्य ऋण निगम के कार्यकारी अधिकारी और भारतीय स्टेट बैंक तथा आरसेटी के निदेशक ने भाग लिया

आयोग के विभागीय कार्यालय, विज़ाग द्वारा एलुरु, पश्चिम गोदावरी जिले में पीएमईजीपी पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 60 से अधिक उद्यमियों सहित आंध्रा बैंक के प्रमुख जिला प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र के महा प्रबंधक एवं आरसेटी के निदेशक ने भाग लिया।

प्राथमिकता के आधार पर 100 दिनों की कार्य योजना के लक्ष्यों का कार्यान्वयन

प्राथमिकता के आधार पर 100 दिनों की कार्य योजना को लागू करने के लिए 20 जून, 2019 को राज्य कार्यालय, देहरादून में आयोजित खादी संस्थानों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी, जिसमें श्री ए. के. दहिया, राज्य निदेशक, राज्य कार्यालय, नई दिल्ली भी उपस्थित थे।

03 जुलाई, 2019 को पीएमईजीपी के लिए 100 दिनों की कार्य योजना पर कार्रवाई के तहत डीएलटीएफसी की बैठक लद्दाख डिवीजन के कॉन्फ्रेंस हॉल बारो कारगिल जिले में कारगिल उपायुक्त श्री बेसर उल हक की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

100 दिनों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के संबंध में, 24 जून, 2019को खादी ग्रामोद्योग बोर्ड कुरुक्षेत्र में हरियाणा राज्य के खादी संगठनों की एक बैठक बुलायी गयी, जिसमें सभी संस्थाओं को समय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने का आदेश दिया गया।

आयोग ने पटना में प्रधान मंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। बैंकों के प्रमुख, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने अगले 100 दिनों के लिए लक्ष्यों के साथ अवसरों के निर्माण के लिए 2019-20 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की।

दिल्ली जागरण

खादी की चटाई पर योगासान करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के लिए दिया 6000 चटाइयों का ऑर्डर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इंडिया गेट पर योग करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी • फाइल फोटो

योग किट में उत्पाद व उनकी कीमत	
कुर्ता-पायजामा	1310 से 1470 रुपये
टोपी	110 रुपये
तिरंगा माला	15 रुपये
थैला	133 रुपये
योग चटाई	374 रुपये
रुमाल	15 रुपये

खादी ने पेश की आकर्षक योग किट

दैनिक जागरण फरीदाबाद, 15 जून 2019

हरियाणा में तैयार खादी की दरी पर योग करेंगे प्रधानमंत्री

राज्य के खादी ग्रामोद्योग बोर्ड को मिला दरी तैयार करने का आर्डर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

છે, કેન્દ્ર સરકાર આ નુકસાન ભરપાઈ કરી આપે, દર વર્ષે 15 હજાર કરોડ રૂપિયા ગુમાવે છે

મોદી દુનિયાની સૌથી શક્તિશાળી વ્યક્તિ

पतंजलि योग पद्धति से आसन सिद्धि व प्राणायाम

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के केंद्रीय कार्यालय में हुआ योगाभ्यास

मुंबई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग मुंबई की तरफ से शुक्रवार, २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीता वर्मा की उपस्थिति में आयोग के कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा केंद्रीय कार्यालय परिसर में योगाभ्यास किया गया। यह योगाभ्यास योगाचार्य के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान उन्होंने सांस लेने की सही प्रक्रिया और विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया जो एकाग्रता में सुधार करने और स्वास्थ्य लाभ देने में मदद करते हैं। कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा योग, मुद्रा और प्राणायाम के विभिन्न आसन, वार्म-अप के सूक्ष्म अभ्यास के साथ शुरू किए गए। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी वाई.के. बारामतीकर, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

KVIC Officials Perform Yoga

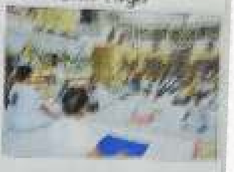

Mumbai, 21st June 2019: On International Yoga Day Khadi and Village Industries Commission, officials along with Ms Preeta Verma, Chief Executive Officer, KVIC performed yoga in its Mumbai office premises here today. Yoga was performed under the guidance of Yogacharya who taught proper breathing techniques and asanas which help in improving concentration and render several health benefits. Various postures of yoga, mudra and pranayam which started with subtle exercises for body warm up were performed by the officials. On this occasion, Jt CEO, Shri Y.K.Baramatikar, Deputy CEO's and other officers and employees were also present.

मोदी कैबिनेट के राज्य मंत्री प्रतापचंद्र सारंगी ने मंगलवार को अपने ट्विटर पर पहली तस्वीर साझा की। इसमें वे केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी के साथ उनके कार्यालय में बैठे हैं। • ट्विटर

रोजगार बढ़ाने पर करूंगा काम : गडकरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : नितिन गडकरी ने केंद्र सरकार की अपनी दूसरी पारी में सड़क जैसे ढांचागत क्षेत्र के साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन के जरिये देश में रोजगार के अवसर बढ़ाने का वादा किया है। गडकरी ने मंगलवार को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग के अपने पुराने मंत्रालय के अलावा पहली बार मिले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्रालय का कार्यभार भी ग्रहण किया।

नई दिल्ली में मंगलवार को उद्योग भवन में नितिन गडकरी ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्री तथा प्रताप चंद्र सारंगी ने एमएसएमई राज्यमंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया। • प्रेट

इस दौरान गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार शुरू से ही देश में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की रफ्तार को तेज करने तथा अरसे से अटकी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में जुटी हुई है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लघु उद्योगों के जरिये रोजगार सृजन के अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में और तेजी लाकर देश की आर्थिक वृद्धि दर में बढ़ोतरी करना मेरी प्राथमिकता होगी। मोदी सरकार में दूसरी बार बड़ी जिम्मेदारियां संभालने के इस मौके पर उनकी पत्नी भी उनके साथ थीं। गडकरी ने कहा कि लघु उद्योग में उनका निजी अनुभव मंत्रालय में उनके काम आएगा और हम इस क्षेत्र के लिए बेहतर कर सकेंगे।

पिछली सरकार में रोजाना 27 किलोमीटर सड़क निर्माण का रिकॉर्ड बनाकर सबसे कामयाब मंत्री की पहचान हासिल करने वाले गडकरी ने शिपिंग क्षेत्र में नए मील के पत्थर स्थापित करने के अलावा जल संसाधन एवं गंगा पुनरुद्धार मंत्री के रूप में गंगा को स्वच्छ बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की थी। एनसीआर के अंतर्गत आने वाले ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे को रिकॉर्ड समय में पूरा करने और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के पहले चरण को शुरू कराने जैसे बड़े कार्यों के कारण ही प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर उन्हें सड़क मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय किया है।

केंद्रीय राजनीति में आने से पहले महाराष्ट्र के लोकनिर्माण मंत्री के रूप में मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे का सफलतापूर्वक निर्माण कर उन्होंने अपनी ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया था। केंद्र की पिछली पारी में उन्होंने 'भारतमाला' और 'सागरमाला' जैसी सड़क निर्माण और तटीय जल परिवहन की मेगा परियोजनाएं शुरू कराईं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से ई-रिक्शा और इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देकर उनके लिए योजनाओं का खाका तैयार करवाया। परिवहन की लागत में कमी लाने के मकसद से उन्होंने देश की 106 और प्रमुख नदियों को शामिल कर कुल 111 नदियों को राष्ट्रीय जलमार्ग का दर्जा दिलाया। गंगा में क्रूज सेवाओं की शुरुआत कराने में गडकरी का प्रमुख योगदान रहा है।

किसानों के लिए गंभीरता से काम कर रही सरकार

नई दिल्ली | एजेंसी

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने गांवों के उत्थान का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार गरीबों, किसानों और मजदूरों के कल्याण के लिए गंभीरता से काम कर रही है।

गडकरी ने बुधवार को बारिश के पानी को संचित करने के लिए कुतुबगढ़ गांव में एक तालाब के सफाई अभियान की शुरुआत की। उन्होंने ग्रामीण युवाओं से आय के स्रोत बढ़ाने के लिए रोजगार के नए और आधुनिक तरीके अपनाने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रोजगार, साफ पेयजल, जल निकासी और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी की वजह से ग्रामीण शहरों की ओर जा रहे हैं।

मधुमक्खी पालन की सराहना की

गडकरी ने 2018 में गांव में मधुमक्खी पालन की शुरू किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि इससे सिर्फ गांववासियों की आमदनी ही नहीं बढ़ेगी बल्कि उनका सम्मान भी बढ़ेगा। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर बृहस्पतिवार को सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

'एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार बढ़ाएंगे'

नागपुर | एजेंसी

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि वह इस क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए पूरा जोर लगाएंगे।

एमएसएमई मंत्रालय की नई जिम्मेदारी मिलने पर गडकरी ने कहा, यह पोर्टफोलियो सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों, देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन से जुड़ा है।

प्रधानमंत्री की इच्छा है कि इस क्षेत्र में रोजगार बढ़े, जो कि अभी बहुत कम है। इस क्षेत्र से रोजगार सृजन बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने अगले डेढ़ साल में हर रोज 40 किलोमीटर सड़क बिछाने का एक नया लक्ष्य रखा है। मैं

इस पहलू पर अपनी पूरी ताकत के साथ काम करूंगा।

नए सुधारवादी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध : नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि सरकार आर्थिक वृद्धि को गति देने, निजी निवेश बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए नए सुधारवादी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कुमार ने आयुष मंत्रालय की ओर से शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा कि सरकार अगले 100 दिनों में नए सुधारवादी कदम उठाना शुरू करेगी। नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने आयुर्वेद औषधि में शोध के लिए ज्यादा संसाधन देने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय एकीकृत चिकित्सा परिषद की स्थापना करना चाहते हैं, जो कि पारंपरिक औषधि प्रणाली के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करेगा।

तैयारी

- एमएसएमई मंत्रालय की जिम्मेदारी नितिन गडकरी ने संभाली
- कहा, देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन से जुड़ा है यह क्षेत्र

खादी और ग्रामोद्योग आयोग में स्वछता पखवाड़ा शुरू

मुंबई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) में आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा एवं वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश द्वारा विले पार्ले मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीता वर्मा कहा कि कार्य स्थलों को साफ और स्वच्छ रखना राष्ट्र के प्रति हमारा सामाजिक दायित्व है। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग में आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीता वर्मा सहित आयोग की वित्तीय सलहकार, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं केंद्रीय कार्यालय, केवीआईसी के सभी अधिकारियों ने कार्यालय परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान में में भाग लिया। वहीं केवीआईसी के सभी राज्य/मंडल कार्यालयों में भी स्वच्छता शपथ ली गई। यह स्वच्छता पखवाड़ा केवीआईसी में 16 जून से 30 जून तक मनाया जाएगा।

खादी आयोग ने कराई तालाबों की सफाई

देहरादून। स्वच्छता एवं जल संरक्षण अभियान के द्वितीय चरण में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की टीम शुक्रवार को गोकुलवाला, पृथ्वीपुर, विकासनगर, विकासखंड पहुंची। इस दौरान टीम के सदस्यों ने गोकुलवाला, पृथ्वीपुर, विकासनगर समेत अन्य क्षेत्रों में तालाबों और पोखरों की सफाई कराई और लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। आयोग के राज्य निदेशक कुंज बिहारी ने बताया कि खादी आयोग पूरे देश में यह अभियान चला रहा है। अभियान के तहत साफ-सफाई के साथ ही जनता को पानी की अहमियत के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि तालाबों की सफाई कराके वर्षा जल का संचय किया जाएगा। इस मौके पर आयोग के उप निदेशक राम नारायण, बिमला देवी, विजय कुमार, बीएस कंडारी, राकेश शर्मा, डीडी जमलोकी आदि मौजूद रहे।

...nity in a more effective manner. ...be able to cater to the medical needs

KVIC Observed Swachhata Pakhwada

KVIC officials at KVIC central office, Mumbai took the swachhata pledge here today. The pledge was administered by CEO KVIC Ms.Preeta Verma and Financial Advisor, KVIC Ms.Usha Suresh. Adressing the officials, CEO KVIC Ms. Preeta Verma urged all employees to keep their work place clean and hygienic. Cleanliness is our duty towards society and nation too. On this occasion all official of Central office KVIC participated in the cleanliness drive in the office premise. All state/ divisional office of KVIC also took part in the swachhata ledge.

खादी और ग्रामोद्योग आयोग में स्वछता पखवाड़ा शुरू

मुंबई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) में आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा एवं वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश द्वारा विले पार्ले मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीता वर्मा कहा कि कार्य स्थलों को साफ और स्वच्छ रखना राष्ट्र के प्रति हमारा सामाजिक दायित्व है। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग में आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीता वर्मा सहित आयोग की वित्तीय सलहकार, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं केंद्रीय कार्यालय, केवीआईसी के सभी अधिकारियों ने कार्यालय परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान में में भाग लिया। वहीं केवीआईसी के सभी राज्य/मंडल कार्यालयों में भी स्वच्छता शपथ ली गई। यह स्वच्छता पखवाड़ा केवीआईसी में 16 जून से 30 जून तक मनाया जाएगा।

www.jagran.com

एक नजर

खादी और ग्रामोद्योग आयोग वर्षा जल संचय मुहिम में जुटा

देहरादून : खादी और ग्रामोद्योग आयोग राज्य सहित पूरे देश में वर्षा जल संचय अभियान में जुटा है। आयोग महात्मा गांधी के 150वीं जयंती वर्ष में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 30 जून तक स्वच्छता सप्ताह आयोजित कर रहा है। आयोग के राज्य निदेशक कुंज बिहारी ने बताया कि आयोग की ओर से मंगलवार को विकासनगर क्षेत्र के ग्राम जमानखाता गांव में प्राकृतिक तालाबों एवं पोखर की साफ-सफाई की गई। यह अभियान शुक्रवार तक जारी रहेगा। इस दौरान आसपास के तालाबों की सफाई की जाएगी, ताकि बारिश का पानी इन तालाबों में पर्याप्त मात्रा में जमा हो सके। गांव के आसपास के तालाबों में बारिश का पानी पर्याप्त मात्रा में जमा होने से आने वाले समय में गांव में जल संकट की समस्या उत्पन्न नहीं होगी। लोगों को जल एवं वायु की उपयोगिता के बारे में अवगत कराया जा रहा है। इस दौरान पंचायत जमानखाता के ग्राम प्रधान रीना देवी, विजय कुमार, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक बीएस कंडारी, राकेश शर्मा आदि मौजूद रहे। (जासं)

अमर उजाला

...दून | बुधवार, 26 जून 2019

जल संरक्षण को आगे आया खादी ग्रामोद्योग आयोग

देहरादून। स्वस्थ भारत मिशन के तहत आयोजित स्वच्छता पखवाड़े के दौरान खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों, कर्मचारियों की ओर से जल संरक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 16 से 30 जून तक स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान खादी और ग्रामोद्योग आयोग से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी तालाबों की सफाई करने के साथ ही ग्रामीणों को भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहे हैं। आयोग के राज्य निदेशक कुंजबिहारी ने बताया कि दून की ग्राम पंचायत जामुनवाला स्थित तालाबों की सफाई करायी जा रही है। ब्यूरो

A village on a honey chase is new buzz in town

Qutubgarh Villagers Turn Bee-Keepers With Khadi Commission's Help, Extract 1,000kg Honey In 2 Months

Jasjeev Gandhiok
@timesgroup.com

New Delhi: As Dinesh Kumar Rana, having woken up early in the morning, leaves home to picks up a couple of villagers and be on their way to their ancestral farm in north-west Delhi's Qutubgarh, he is chirpy and enthusiastic. When he finally reaches the fields bright yellow with mustard bloom, he could well break into a song whose lyrics could be: Don't worry, bee happy. You see, Rana isn't at the village to check on the mustard crop, but to make sure his bees are doing well. The 40-year-old, like some others in the village, is a new born apiarist — and looking at a better tomorrow, having extracted over 1,000kg of honey in the past two months.

Qutubgarh was only lately adopted by the Khadi Village Industries Commission (KVIC) and in November 2018, along with BJP Lok Sabha member Meenakshi Lekhi, who too has adopted the village, it organised a programme aimed at making the village the capital's honey pot. With a gift of 100 bee-boxes, KVIC hoped the farmers would have an additional income.

No one, however, quite foresaw another huge benefit of the honey chase. As Umed Singh Rana, a 79-year-old farmer on whose land most of the hives are sited, marvels, "I have been farming for decades now, but never have I seen mustard of such high quality at this time of the year. By the time it ripens in March, the crop yield should be 30-40% bigger and of very good quality too. We have noticed the flowers are bigger, and this has happened only after the bees were introduced."

The old farmer's son, Dinesh, is already an expert now having received training in handling bees in November last year. He has quickly learnt that bees fly in a radius of 2-3 km, extracting nectar and come back to their hives, each of which is home to around 30,000 bees. "I've suffered 60 stings since I started," he grins. "Initially, we were hesitant and nervous about the bees, but now we can tell exactly what needs to be done in each box and what each colony requires."

The initial 100 boxes have increased to 125 because the bees have been reproducing with alacrity in each box. Dinesh explains that when a box is full, hundreds of the buzzing insects are either 'swarmed' to a new box or a 'shallow super' is added to create a new floor in the box. Each hive produces a full yield every 15 days, and apiarists start keeping any eye on the boxes from day 12 of the cycle.

When the bees have sealed the honey in the waxy lattice in the box, the bees are gently smoked away. Each frame of honeycomb is put in a centrifuge machine, which produces a grainy, whitish substance not unlike buffalo ghee in appearance. The villagers call this 'cream honey'. It tastes wonderful, but has a short shelf life. "So we process it to get the more familiar amber liquid, which last longer in the bottles," explains Dinesh.

The villagers were initially too sceptical to come on board. But the honey and the crop yield have enthused many. "The economic advantages are clear to see," remarks Chand Singh from Mungeshpur village. "Youngsters now want to start gathering honey, and the demand for bee-boxes is increasing by the day."

Padam Singh Tomar, another Qutubgarh local, is happy that the fresh honey is finding takers, mostly in nearby villages. Since November, the village has produced two yields of over 500 kg each. Vinai Kumar Saxena, chairman, KVIC, points out, "Honey derived from different flowers has a distinct and unique quality. This particular honey is produced solely from mustard nectar, but the locals will also try their hand at other varieties." With the mustard season coming to an end, the hives will, therefore, soon shift to another location, where the accent will be eucalyptus.

While the local apiarists contemplate marketing their honey in a more professional manner, KVIC actually plans to buy directly from them. "Each farmer can earn an additional Rs 10,000 from one box every year from the honey alone," says Saxena. "We will pay them Rs 300 per kilo and process it before sending it out into the market."

Saxena adds, "In the next stage of their training, we will teach the villagers how to extract bee venom. This can sell for over Rs 1 crore per kg and is used abroad to create a medicine for cancer." Another source of money will be the beeswax produced in the hives, for which there is a big demand in the cosmetics industry. Bee pollen is also consumed as a supplement, while items such as honey soaps, shampoos and moisturisers, honey vinegar and apple honey cider can be produced too. Yes, Rana could well sing about not worrying, only bee-ing happy.

KEEPERS OF A SWEET LEGACY

QUTUBGARH

- The village has been adopted by Khadi Village Industries Commission (KVIC) and farmers have been provided bee-boxes and trained on how to extract honey. It is also MP Meenakshi Lekhi's adopted village
- At present, there are 10 expert villagers. More locals are being trained to make it a 'honey hub'
- Since November 2018 when the project kicked off, 1,100kg honey has been produced
- There are 125 bee boxes in the village of the 69,638 distributed under the 'honey mission'

DELHI

Photos: Piyal Bhattacharjee

HOW HONEY IS EXTRACTED

1. Each box can hold up to 50,000 bees and has 10 frames. The apiarist will remove each frame and 'smoke' the bees before taking the frame to a centrifuge machine

2. The machine produces 'cream honey' which is white in colour and in a thick, crystallised form. It is then processed by heating it indirectly and passing it through a sieve

Popular flavours

- Neem, jamun, ajwain, multi-flora, eucalyptus
- Qutubgarh produces mustard (sarson) honey

OTHER PRODUCTS MADE FROM HONEY

Bee propolis | Has anti-bacterial and anti-fungal properties

Bee pollen | Can be consumed as an energy supplement

Beeswax | Used in cosmetics

Honey shampoo, vinegar, soap, moisturisers and apple cider are among the other popular products

Khadi distributes 7,000 handmade paper bags

The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) have distributed around 7,000 handmade paper carry bags made from waste plastic at the swearing-in ceremony of Narendra Modi and his cabinet on Thursday. The carry bags were given for the dignitaries present at the oath taking ceremony to keep water bottles. The paper bags were made under KVIC's project REPLAN (REducing PLAstic in Nature).

खादी एवं ग्रामोद्योग को बढ़ावा देंगे सामुदायिक रेडियो स्टेशन

दैनिक अंबर

कोलसिया(राकेश सोनी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंति वर्ष के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के सपने को साकार करने के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग जयपुर ने अपनी योजनाओं को जन-जन तक ले जाने के अभियान का आगाज किया है। इस मिशन को आगे बढ़ाने तथा सुदूर ग्रामीण इलाके के प्रत्येक जरूरतमंद तक आयोग की गतिविधियों को ले जाने में अब राजस्थान के सामुदायिक रेडियो स्टेशन ने भी कमर कस ली है। आयोग कार्यक्रम के सभाकक्ष में आयोजित आयोग की गतिविधियों के प्रति जागरूकता के कार्यक्रम में राज्य निदेशक बदीलाल मीना के आह्वान को स्वीकार करते हुए सभी सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रतिनिधियों ने अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। राजस्थान प्रदेश की विभिन्न खादी संस्थाओं,एनजीओ तथा सामुदायिक रेडियो स्टेशन के लिए आयोजित बैठक में निदेशक मीना ने आयोग के मन्तव्य तथा विभिन्न जनकल्याण की योजनाओं को विस्तार से स्पष्ट करते हुये खादी पुनरोत्थान,स्फूर्ति,योजना पर प्रस्ताव तैयार की प्रक्रिया तथा कार्यप्रणाली को स्पष्ट करके संस्थाओं को क्षेत्र के लोगों की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये प्रस्ताव तैयार करने के लिये कहा। योजना के नोडल अधिकारी डी.के. चावला ने विस्तृत जानकारी प्रदान की। राजस्थान में आयोग के पांच कार्यालय स्थित है,जिसमें बीकानेर मण्डलीय कार्यालय ऊनी खादी का उत्पादन कर रहा है तथा जयपुर के अधीन 23 जिले में सूती खादी का उत्पादन हो रहा है,जिसमें 150 संस्थाओं के माध्यम से लगभग 30,000 कारीगरों को रोजगार से जोड़ रखा है जो कि देश विदेश में लगने वाली प्रदर्शनियों में भाग ले रहे है। राज्य निदेशक बदीलाल मीना के विशेष प्रयास से देश में प्रथम बार आयोग द्वारा कार्पेट सेक्टर को 4 से 6 कांउट का हाथ से बना हुआ धागा उपलब्ध करवायेगा जिससे आठ से दस हजार अतिरिक्त लोगों को विभिन्न खादी संस्थाओं के माध्यम से रोजगार प्रदान किया जायेगा। जिसकी शुरूआत राजस्थान प्रदेश से हो रही है। इस अवसर पर मोदी मिशन,पेट री.मिशन,वर्ड पो मैस,हनी-बी, पीएमईजीपी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। जागरूकता सम्मेलन में रेडियो कमलवाणी झुंझुनू,आपणो रेडियो वनस्थली,बागड़ रेडियो बांसवाड़ा,रेडियो तिलोनिया अजमेर,अलवर की आवाज अलवर,रेडियो मेवन जयपुर के स्टेशन हैड तथा 100 से अधिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पीएम रोजगार सृजन जागरूकता शिविर में दी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी

मारूत नारायण सेवा संस्थान के साक्षिध्य में एक दिवसीय कार्यक्रम हुआ

भास्कर संवाददाता | नागौर

खादी व ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीणा ने जिला स्थित मारूत नारायण सेवा संस्थान के सानिध्य में आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जागरूकता शिविर शनिवार को आयोजित किया गया। मारूत नारायण सेवा संस्थान के सुरेंद्रपाल कड़ेला ने बताया कि भारत सरकार के खादी ग्रामोद्योग आयोग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बेरोजगारों को रोजगार हस्त शिल्पियों को दक्षता प्रशिक्षण जैसे ब्यूटी पार्लर, सिलाई, कढ़ाई, फैशन डिजाइनर अनेक प्रकार के उद्यम स्थापित कर उनकी आजीविका को नया आयाम दे रहा है। राज्य निदेशक ने कहा कि खादी आयोग विशेष कर ग्रामीण के लिए समर्पित है। अध्यक्षता कर रहे सहायक निदेशक सुरेंद्र पूनिया सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग ने बेरोजगारों के लिए पीएमईजीपी योजना की भूमिका बताई। इस अवसर पर जिला उद्योग अधिकारी बजरंग सांगवा, जिला रोजगार अधिकारी भैराराम गोदारा, यूको आर सेटी निदेशक हितेश, एमएसएमई से बेनी मैथ्यु, सीए प्रवीण बोहरा, सर्वेक्षण विरेंद्र पाल व श्रम विभाग राजकुमार कड़वासरा ने योजनाओं के बारे में जानकारी दी। अतिथियों का मारूत नारायण संस्थान के सुरेंद्र पाल कड़ेला ने स्वागत किया। संचालन विजय हिंद ने किया। संस्था पदाधिकारी रेखा सांखला, मूलचंद शर्मा, बबिता, अजय वर्मा, सुरेश कुरड़िया, ललित गोदारा, जसवीर सिंह मिर्धा, कंचन ने प्रतीक चिन्ह भेंट किए।

सरकारी योजनाएं बेरोजगारों व उद्यमियों के लिए वरदान

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

नागौर. सुगन सिंह सर्किल स्थित धर्मशाला में कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि।

नागौर. कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

नागौर. मारूत नारायण सेवा संस्थान की ओर से शनिवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जागरूकता शिविर का आयोजन सुगनसिंह सर्किल स्थित धर्मशाला में किया गया। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीणा ने कहा कि भारत सरकार का खादी ग्रामोद्योग आयोग विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बेरोजगारों को रोजगार, हस्त शिल्पियों को ब्यूटी पार्लर, सिलाई, कढ़ाई, फैशन डिजाइन जैसे दक्षता प्रशिक्षण देकर अनेक प्रकार के उद्यम स्थापित कर आजीविका का नया आयाम दे रहा है। खादी आयोग विशेषरूप से ग्रामीण क्षेत्र के लिए समर्पित है। साथ ही पीएमईजीपी योजना में ऋण पर 35 प्रतिशत अनुदान भी उपलब्ध करवाता है।

बेरोजगार फायदा उठाएं

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सुरेन्द्र पूनिया ने बेरोजगारों के लिए पीएमईजीपी योजना को अहम बताते हुए कहा कि बेरोजगारों को योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। जिला उद्योग अधिकारी बजरंग सांगवा, जिला रोजगार अधिकारी भैराराम गोदारा, यूको-आरसेटी निदेशक हितेश, एमएसएमई से बेनी मैथ्यु,सीए प्रवीण बोहरा, विरेन्द्रपाल कड़ेला, श्रम विभाग से राजकुमार कड़वासरा ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। संस्थान के सुरेन्द्रपाल कड़ेला, पदाधिकारी रेखा सांखला, मूलचन्द शर्मा समेत कई लोग उपस्थित थे। संचालन विजय हिन्द ने किया।

पीएमईजीपी गरीब ग्रामीण व युवाओं के लिए वरदान

दैनिक अंबर

कोलसिया(राकेश सोनी)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग,भारत सरकार बीकानेर कार्यालय के मंडलीय निदेशक बद्रीलाल मीणा ने आज इण्डियन बीएड कॉलेज,चूरू के सभागार में जिलेभर के युवाओं एवं उद्यमियों को आह्वान किया कि भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांव के गरीब,बेरोजगार हुनरमन्द को आर्थिक संसाधन देकर गरीबी को भगाने में मदद कर रहा है। चूरू जिले के उद्यमियों एवं बेरोजगार युवाओं को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पीएमईजीपी के लिए आयोजित जागरूकता बैठक में प्रेरित किया कि वे इससे जुड़कर कार्य को प्रगति प्रदान करें। मीणा ने कहा कि जिले भर में खादी व ग्रामोद्योग आयोग द्वारा बेरोजगार लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए भारत सरकार की पहल पर विभिन्न प्रकार के कारोबार आरंभ करने के लिए सामान्य वर्ग को 25 प्रतिशत, अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं, पूर्व सैनिकों,शारीरिक विकलांग वर्ग को 35 प्रतिशत अनुदान सहित 25 लाख रूपये तक की योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जाती है,जिसके लिए स्वीकृत परियोजना को किसी राष्ट्रीयकृत, सहकारी अथवा निजी बैंक से ऋण लेकर आरंभ करना होता है। योजना में शामिल होने के लिए कोई भी युवक-युवती द्वारा खादी व ग्रामोद्योग आयोग की वैबसाईट पर ऑनलाईन आवेदन किया जाता है। कमलनिष्ठा संस्थान कोलसिया के माध्यम से आयोजित इस एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में चूरू जिले के युवाओं व उद्यमियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में कमलनिष्ठा संस्थान के डॉ.डी.पी सिंह,महाविद्यालय निदेशक ओमप्रकाश, जुगलकिशोर शर्मा, अन्नदीप कुमार,सुरेन्द्र कुमार, बिशनाराम, शिवकुमार सहित बड़ी संख्या में उद्यमियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया तथा योजना को सफल बनाने में पूरा सहयोग करने के लिए कहा।

ચોપાટી ખાતે સફાઈ કરી પ્રધાનમંત્રી રોજગાર કાર્યક્રમ અંગે નગરજનોને માર્ગદર્શન અપાયું

પોરબંદર |અમદાવાદ ખાદી અને ગ્રામોદ્યોગ આયોગ દ્વારા પોરબંદર શહેરમાં આવેલ વિલા સર્કિટ હાઉસ ખાતે જાગૃતતા શિબિરનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ભારતોદય મંડળ સંચાલીત ખાદી ગ્રામોદ્યોગ ભવનના સહયોગથી યોજાયેલ કાર્યક્રમમાં પ્રધાનમંત્રી રોજગાર સૃજન અંતર્ગત લોકોને માર્ગદર્શન આપવામાં આવ્યું હતું. સાથોસાથ શહેરમાં આવેલ ચોપાટી ખાતે સફાઈ અભિયાન યોજવામાં આવ્યું હતું.

കുമ്പളങ്ങി... (Malayalam clipping)

कुम्हारों को विद्युत चालित चाकों का वितरण

(कालीभूमि ब्यूरो)

जयपुर। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के कुम्हार सशक्तिकरण मिशन के तहत ग्राम निवाड़ मण्डी एवं ग्राम [illegible] गढ़पुर, जिला [illegible] में 40 परम्परागत कुम्हारों को विद्युत चालित चाकों का वितरण किया गया। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग, [illegible] के राज्य निदेशक [illegible] ने अवगत कराया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर कुम्हार सशक्तिकरण मिशन के तहत देश के परम्परागत कुम्हारों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए पहले विद्युत चालित चाक का 10 दिवसीय प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाता है तथा उसके बाद प्रत्येक प्रशिक्षित परम्परागत कुम्हार को 16,497.00 की लागत का विद्युत चालित चाक निःशुल्क दिया जाता है, ताकि वे पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने के लिए कम समय एवं कम श्रम में अधिक से अधिक कुम्हारी वस्तुओं का उत्पादन कर सकें। उपलब्धता [illegible] में जिन 100 परम्परागत कुम्हारों को निःशुल्क दिया गया है, उन्हें जून 2019 तक प्रत्येक कुम्हार को विद्युत चालित चाक निःशुल्क दिया जाना है, जिनमें से 40 लाभार्थी कुम्हार जिला [illegible] एवं 60 लाभार्थी कुम्हार जिला [illegible] क्षेत्र के हैं। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि उक्त 100 कुम्हारों के अतिरिक्त वर्ष 2019-20 में लगभग 250 और परम्परागत कुम्हारों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर निःशुल्क विद्युत चालित चाक वितरित किए जाने का लक्ष्य है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि [illegible] जिले में परम्परागत कुम्हारों के चयन तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा निःशुल्क विद्युत चालित चाक वितरण में खादी संस्था 'प्रगति पथ लघु उत्पादक ग्रामोद्योग समिति' [illegible] जयपुर, जिला [illegible] के मंत्री [illegible] तथा अन्य खादी संस्थाओं के मंत्री [illegible] एवं [illegible] का योगदान सराहनीय रहा। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक [illegible] तथा कुम्हारी उद्योग के तकनीकी अधिकारी [illegible] सिंह, [illegible] कुमार एवं [illegible] सिंह [illegible] उपस्थित रहे।

बेरोजगारों को मिलेगा 25 लाख तक लोन

पीएमईजीपी में लोन भी मिलेगा और सब्सिडी भी

श्रीगंगानगर। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मंडलीय कार्यालय, बीकानेर द्वारा आयोजित और लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा समिति रावतसर द्वारा प्रायोजित जिला स्तरीय प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन स्थानीय एमपीएस प्राइवेट इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट कॉलेज में किया गया। इस शिविर में उपस्थित बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर से पहुंचे आयोग के नोडल अधिकारी अजय शर्मा रहे। अजय शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक सपना है की देश के युवाओं को ज्यादा से

ग्रामोद्योग में परिवारमूलक योजना के अलावा पीएमईजीपी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के तहत भी अब बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए लोन उपलब्ध करवाया जा रहा है। यह राशि वर्गवार अभ्यर्थियों को लोन के हिसाब से बैंक के जरिए उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में फॉर्म भरने का सिलसिला शुरु हो गया है। इंटरलॉकिंग टाइल, अगरबत्ती निर्माण, फर्नीचर

लेखन सामग्रियां, कृत्रिम सामग्रियों से आभूषण निर्माण, वस्त्र उद्योग, गुलाल रंगोली का निर्माण सहित क्रेशर उद्योग, राईस मिल के अलावा अन्य लघु व कुटीर उद्योग के लिए 1 लाख से लेकर तकरीबन अधिकतम 25 लाख तक की राशि मंजूरी का प्रावधान है। जो बैंक के माध्यम से स्वरोजगार के लिए बेरोजगारों को प्रक्रियाओं के अधीन उपलब्ध कराई जाएगी। खादी ग्रामोद्योग शाखा के माध्यम से बेरोजगारों को यह लोन दिलाया जाएगा। संस्था के श्रीगंगानगर प्रभारी अनिल जान्दू ने बताया कि गांवों में गोबर गैस प्लांट और मधुमक्खी पालन के लिए सरकार सब्सिडी देकर आमजन को लाभांवित कर रही है। मंच संचालन विनोद आसन ने किया।
युवाओं ने बड़ी
ति दर्ज करवाते
।

बेरोजगारों को मिलेगा 25 लाख तक लोन, पीएमईजीपी में लोन भी मिलेगा और सब्सिडी भी

श्रीगंगानगर, 10 जून। (वारिश) खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मंडलीय कार्यालय, बीकानेर द्वारा आयोजित और लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा समिति रावतसर द्वारा प्रायोजित जिला स्तरीय प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन

एमपीएस प्राइवेट इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट कॉलेज में किया गया। इस शिविर में उपस्थित बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर से पहुंचे आयोग के नोडल अधिकारी अजय शर्मा रहे। अजय शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक सपना है की देश के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा स्वंय का रोजगार कर आत्मनिर्भर बनाना। संस्था सचिव भान सिंह राठौड़ ने बताया कि खादी ग्रामोद्योग में परिवारमूलक योजना के अलावा पीएमईजीपी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के तहत भी अब बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए लोन उपलब्ध करवाया जा रहा है। यह राशि वर्गवार अभ्यर्थियों को लोन के हिसाब से बैंक के जरिए उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में फॉर्म भरने का सिलसिला शुरु हो गया है। इंटरलॉकिंग टाइल, अगरबत्ती निर्माण, फर्नीचर संबंधी स्वरोजगार, कुटीर उद्योग, चूना पत्थर, स्लेट पेंसिल निर्माण, विद्युत चलित आटाचक्की, सिलाई उद्योग, लेखन सामग्रियां, कृत्रिम सामग्रियों से आभूषण निर्माण, वस्त्र उद्योग, गुलाल रंगोली का निर्माण सहित क्रेशर उद्योग, राईस मिल के अलावा अन्य लघु व कुटीर उद्योग के लिए 1 लाख से लेकर तकरीबन अधिकतम 25 लाख तक की राशि मंजूरी का प्रावधान है। जो बैंक के माध्यम से स्वरोजगार के लिए बेरोजगारों को प्रक्रियाओं के अधीन उपलब्ध कराई जाएगी। खादी ग्रामोद्योग शाखा के माध्यम से बेरोजगारों को यह लोन दिलाया जाएगा। संस्था के श्रीगंगानगर प्रभारी अनिल जान्दू ने बताया कि गांवों में गोबर गैस प्लांट और मधुमक्खी पालन के लिए सरकार सब्सिडी देकर आमजन को लाभांवित कर रही है। मंच संचालन विनोद आसन ने किया। इस अवसर पर क्षेत्र के युवाओं ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हुए ऋण हेतु फॉर्म भरे।

दीपलाना में मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण शुरू

नोहर (पवन हिसारिया)। नोहर तहसील की दीपलाना ग्राम पंचायत में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग व एलबीएस संस्थान, रावतसर द्वारा युवाओं एवं किसानों को उन्नत बनाने के लिए और स्वरोजगार हेतु मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण शुरू किया गया।

इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में बीस प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के बाद सभी प्रशिक्षणार्थियों को आयोग की तरफ से प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे। एलबीएस संस्थान के भान सिंह राठौड़, पवन कुमार ओझा, गफूर खान ने प्रशिक्षणार्थियों को रोजगारोंमुखी उपयोगी जानकारी दी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक किसानों ने भाग लिया।

दीपलाना में मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण शुरू

नोहर।

तहसील की दीपलाना ग्राम पंचायत में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग व एलबीएस संस्थान, रावतसर द्वारा युवाओं एवं किसानों को उन्नत बनाने के लिए और स्वरोजगार हेतु मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण शुरू किया गया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में बीस प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के बाद सभी प्रशिक्षणार्थियों को आयोग की तरफ से प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे। एलबीएस संस्थान के भान सिंह राठौड़, पवन कुमार ओझा, गफूर खान ने प्रशिक्षणार्थियों को रोजगारोंमुखी उपयोगी जानकारी दी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक किसानों ने भाग लिया।

ചാസ് ഖാദി സ്വച്ഛ്ഭാരത് മിഷൻ ആഘോഷം

ചങ്ങനാശേരി : കേന്ദ്രസർക്കാരിന്റെ കീഴിലുള്ള ഖാദി ഗ്രാമവ്യവസായ കമ്മീഷൻ ചാസിന്റെ സഹകരണത്തോടെ പ്രധാനമന്ത്രിയുടെ സ്വച്ഛ്ഭാരത് മിഷൻ ആഘോഷങ്ങളുടെ ഭാഗമായി അതിരൂപതാതലത്തിൽ സ്കൂൾ കുട്ടികൾക്കായി സംഘടിപ്പിച്ച ചിത്രരചന, ഡിബേറ്റ് മത്സരങ്ങളുടെ ഉദ്ഘാടനം ചങ്ങനാശേരി അതിരൂപതാ കോർപ്പറേറ്റ് മാനേജർ ഫാ. മനോജ് കറുകയിൽ നിർവഹിച്ചു. ചാസ് ഡയറക്ടർ ഫാ. ജോസഫ് കളരിക്കലിന്റെ അധ്യക്ഷതയിൽ കൂടിയ സമ്മേളനത്തിൽ എസ്.ബി. ഹയർ സെക്കൻഡറി സ്കൂൾ മാനേജർ ഫാ. മാത്യു നടമുഖത്ത് വൃക്ഷത്തൈ വിതരണ ഉദ്ഘാടനവും സ്വച്ഛ്ഭാരത് മിഷൻ ബോധവൽക്കരണ ക്യാമ്പയിന്റെ ഉദ്ഘാടനം ഖാദി കമ്മീഷൻ നോഡൽ ഓഫീസർ പി.വി. സുരേഷ്കുമാറും നിർവഹിച്ചു.

ചങ്ങനാശേരി എസ്.ബി. ഹയർസെക്കൻഡറി സ്കൂൾ പ്രിൻസിപ്പൽ ജോസ് ജോസഫ് ആനിത്തോട്ടം, ചാസ് ജോയിന്റ് സെക്രട്ടറി ഫാ. ജോർജിൻ മാന്തുരുത്തിൽ, , ചാസ് ഖാദി ജനറൽ മാനേജർ ജോൺ സക്കറിയാസ് എന്നിവർ പ്രസംഗിച്ചു. സമാപന സമ്മേളനത്തിൽവച്ചു നഗരസഭ അധ്യക്ഷൻ ലാലിച്ചൻ കുന്നിപ്പറമ്പിൽ വിജയികൾക്കു ക്യാഷ് അവാർഡും ട്രോഫിയും കേന്ദ്രഗവൺമെന്റിന്റെ സർട്ടിഫിക്കറ്റുകളും വിതരണം ചെയ്തു.

■ പ്രധാനമന്ത്രിയുടെ സ്വച്ഛ്ഭാരത് മിഷൻ ആഘോഷങ്ങളുടെ ഭാഗമായി അതിരൂപതാതലത്തിൽ സ്കൂൾ കുട്ടികൾക്കായി സംഘടിപ്പിച്ച ചിത്രരചന, ഡിബേറ്റ് മത്സരങ്ങളുടെ ഉദ്ഘാടനം ചങ്ങനാശേരി അതിരൂപതാ കോർപ്പറേറ്റ് മാനേജർ ഫാ. മനോജ് കറുകയിൽ നിർവഹിക്കുന്നു.

पर्यावरणानुकुल मनमोहक खादी डिजाइनर परिधान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

Khadi India

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"